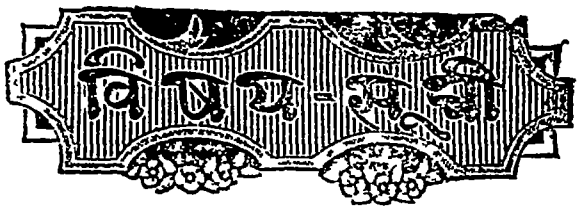

पृष्ठ

ऐतिहासिक खण्ड

अवतरणिका १७

पहला अध्याय

उस समय का भारतवर्ष २१

उस समय के बड़े नगर २९

उस समय की ग्राम रचना ३०

आर्थिक अवस्था ३१

सामाजिक स्थिति ३२

वर्णाश्रम-धर्म का इतिहास ३५

धार्मिक-स्थिति ४१

दूसरा अध्याय

बौद्ध-धर्म का उदय ४८

तीसरा अध्याय

आजीविक सम्प्रदाय ५१

चौथा अध्याय

उस समय के दूसरे सम्प्रदाय ५७

पाँचवा अध्याय

क्या जैन और बौद्ध-धर्म धार्मिक क्रांतियाँ थीं ? ... ६१

पृष्ट

छठवाँ अध्याय

जैन और बौद्ध-धर्म में संघर्ष ६३

सातवाँ अध्याय

क्या महावीर जैन-धर्म के मूल संस्थापक थे ? .. ६७

जैन-धर्म की उन्नति और समाज पर प्रभाव ... ७५

आठवाँ अध्याय

भगवान् महावीर का काल-निर्णय ७८

भगवान् महावीर की जन्मभूमि ८५

भगवान् महावीर के माता पिता ८८

त्रिशला रानी के माता पिता ८९

भगवान् महावीर का जन्म ९१

जैन-धर्म और बौद्ध-धर्म पर तुलनात्मक दृष्टि ... ९८

मनोवैज्ञानिक खण्ड

पहला अध्याय

उस समय की मनोवैज्ञानिक स्थिति १०७

भगवान् महावीर का बाल्यकाल ११८

यौवन काल १२३

दीक्षा संस्कार १३०

भगवान् महावीर का भ्रमण १३५

कैवल्य प्राप्ति १६७

उपदेश प्रारम्भ १७३

शिष्य और गणधर १८०

भगवान् महावीर का निर्वाण १८३

„ „ का चरित्र १८३

पृष्ठ

पौराणिक खण्ड

प्रथम अध्याय

भगवान् के पूर्वभव १९३
भगवान् महावीर का जन्म २०७
भगवान् महावीर का भ्रमण २१३
गौशाला की कथा २१९
कैवल्य-प्राप्ति और चतुर्विध संघ की स्थापना . २३८
श्रेणिक को सम्यक और मेघकुमार तथा नन्दिशेण को दिक्षा २४४
प्रभु का अंतिम उपदेश २८२

दार्शनिक खण्ड

प्रथम अध्याय

जैन-धर्म और अहिंसा २८९
अहिंसा का अर्थ २९७
अहिंसा के भेद ... २९९
गृहस्थ का स्थूल अहिंसा धर्म .. ३०१
मुनियों की सूक्ष्म अहिंसा . ३०७
जैन-अहिंसा और मनुष्य-प्रकृति ३१२

दूसरा अध्याय

स्याद्वाद दर्शन ३१७
शंकराचार्य का आक्षेप ३२५
सप्तभंगी ३२९

तीसरा अध्याय

नय ३३४

पृष्ठ

चौथा अध्याय

मोक्ष का स्वरूप २४१

पाँचवाँ अध्याय

जैन-धर्म में आत्मा का अध्यात्मिक विकास ... २५५

वेद दर्शन २५५

बौद्ध दर्शन २५९

जैन दर्शन २६०

अध्यात्म ३६७

छठवाँ अध्याय

जैन शास्त्रों में भौतिक विकास २७५

सातवाँ अध्याय

गृहस्थ के धर्म २८०

रात्रि भोजन निषेद २८६

आठवाँ अध्याय

धर्म के तुलनात्मक शास्त्रों में जैन-धर्म का स्थान ... २९१

नौवाँ अध्याय

जैन-धर्म का विश्वव्यापित्व ४०२

परिशिष्ट खण्ड

चित्र परिचय ४६४